सूचना

भारतीय स्टेट बैंक

(भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के अंतर्गत गठित)

भारतीय स्टेट बैंक के शेयरधारकों की 60 वीं वार्षिक महासभा "वाई.बी. चव्हाण ऑडिटोरियम", वाई.बी. चव्हाण केन्द्र, जनरल जगन्नाथ भोसले मार्ग, नरीमन प्वाइंट, मुंबई - 400 021 (महाराष्ट्र) में गुरुवार, 02 जुलाई 2015 को अपराह्न 3.00 बजे निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु आयोजित की जाएगी :

"स्टेट बैंक का 31 मार्च 2015 तक का तुलन-पत्र और लाभ एवं हानि खाता तथा इस लेखा अवधि की स्टेट बैंक की कार्य-प्रणाली और कार्यकलापों पर केन्द्रीय बोर्ड की रिपोर्ट एवं तुलन-पत्र और लेखों पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट प्राप्त करना, चर्चा करना और उसे स्वीकार करना।"

कारपोरेट केन्द्र
स्टेट बैंक भवन
मादाम कामा रोड
मुंबई - 400 021

(अरुंधति भट्टाचार्य)
अध्यक्ष

दिनांक : 19.05.2015

महत्त्वपूर्ण सूचना

घोषित लाभांश :	₹ 3.50 रुपए प्रति शेयर
लाभांश भुगतान की तारीख :	18.06.2015
बहीबंदी की अवधि :	30.05.2015 से 03.06.2015
रिकॉर्ड-तारीख :	29.05.2015

डिजिटल भारत का बैंक

भारत के सबसे बड़े बैंक के रूप में हम हजारों वाणिज्यिक इकाइयों और करोड़ों लोगों के जीवन से एकाकार हैं। नई चुनौतियों से निपटने और ग्राहकों के रुझान के अनुसार कार्य करने के लिए हमने सदा स्वयं को समय के अनुरूप बदला है। हम मानते हैं कि अगर हमने ग्राहकों की आवश्यकताएँ पूरी की तो वे हमारे साथ बने रहेंगे।

सभी पीढ़ियों के लोग अपने बैंकिंग कामकाज के लिए इंटरनेट, सोशल मीडिया और स्मार्ट फोन का अधिकाधिक उपयोग करने लगे हैं। बहुत सारे लोग तो सोशल मीडिया चैनल का अत्यधिक उपयोग करते हैं। वे कई प्रकार की जानकारी के लिए खोज करते हैं और फिर उस जानकारी तक पहुँचते हैं। उनकी अपेक्षाएँ बढ़ती जा रही हैं। ऐसे उपभोक्ता अपने मोबाइल, आई पैड या पी.सी. के माध्यम से बैंकिंग करते समय चाहते हैं कि उन्हें शुरू से आखिर तक की सारी सुविधाएँ बिना किसी रुकावट के मिलें।

भारतीय स्टेट बैंक जानता है कि ग्राहक के आसपास बने रहने की कला ही बैंकिंग है। हमें पता है कि आधुनिक बैंकिंग का मतलब है - लोगों को उनका धन इतनी शीघ्रता, त्रुटिहीनता और दक्षता के साथ मिले, जितना पहले कभी नहीं मिलता था। हमारे वर्तमान और संभावित ग्राहक जो चाहते हैं, उसी पर हमारा पूरा ध्यान है और उसी के अनुरूप डिजिटल बिजनेस मॉडल को अपनाने तथा विकसित करने के मार्ग पर हम बढ़ रहे हैं। हमारे तैयार किए डिजिटल प्लेटफॉर्मों से हमारे ग्राहक सदा जुड़े रह सकते हैं, सदा हमसे रिश्ता बनाए रखते हैं।

भारतीय स्टेट बैंक भारत के कारपोरेट एवं संस्थात्मक निकायों का सच्चा मित्र रहा है। कई वर्षों से वे हमारे ऑनलाइन बैंकिंग प्लेटफार्मों के प्रयोक्ता रहे हैं, जिन्हें उनकी बढ़ती जरूरतों एवं अपेक्षाओं के अनुरूप बनाया जा रहा है। आज वे अपने दैनिक लेनदेनों के लिए बैंक के मजबूत ऑनलाइन समाधान पर विश्वास करते हैं। यह आज की डिजिटल टेक्नॉलजी के अनुरूप अपने आपको ढालने का ही परिणाम है।

हम यह भी जानते हैं कि टेक्नोलॉजी के सहारे हम अपने कार्य बेहतर ढंग से कर सकते हैं। एक प्रमुख कार्य है कामकाज के तरीकों की दक्षता बढ़ाने और सेवा का स्तर उठाने में 'विशाल डेटा' का उपयोग। हमारा बैंक भारत का पहला बैंक है, जो विशाल डेटा का उपयोग किसी खजाने को खोलने की तरह यानी ग्राहक की वैयक्तिक जरूरतों को जानने के लिए कर रहा है। उन्नत श्रेणी के विश्लेषण द्वारा इस जानकारी का उपयोग ग्राहक की इच्छानुसार प्रस्तुत करने में और अपने कामकाज का तरीका निर्धारित करने में किया जाता है। किसी अन्य उपाय से यह संभव नहीं होता।

हमारी यात्रा टेक्नोलॉजी अपनाने पर ही नहीं रुक जाती। हम जानते हैं कि हमारे बहुत-से ग्राहकों को यह बताने की आवश्यकता है कि वे हमारे डिजिटल प्लेटफार्मों का पूरे भरोसे के साथ किस प्रकार उपयोग करें। हमारे सैंकड़ों लर्निंग सेंटर केंद्र पूरे देश में इस कार्य में लगे हुए हैं और हजारों लोगों को अपने प्रयासों से जोड़ रहे हैं। आने वाले समय में हम और आगे बढ़कर डिजिटल भारत का पसंदीदा बैंक बनना चाहेंगे।

बैंकिंग आपके हाथों में

बैंकिंग आपके हाथों में

स्मार्ट फोन ने हमारे कामकाज और सामाजिक व्यवहार को बिलकुल बदल कर रख दिया है। भारत में स्मार्ट फोन रखने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है और अब हर आयु समूह का व्यक्ति मोबाइल बैंकिंग अपनाने का इच्छुक दिखाई दे रहा है, ताकि वह अपने बैंकों से पहले से ज्यादा व्यापकता के साथ जुड़ा रहे।

भारतीय स्टेट बैंक अपने ग्राहकों को यह ताकत प्रदान करने पर पूरा ध्यान दे रहा है, ताकि उन्हें अधिक सुविधाएँ मिलें, उनके-हमारे संबंध और सुदृढ़ हों, लागत में कमी आए और हमारा ब्रांड मजबूत बनता जाए। मार्च 2014 में स्मार्ट फोन के लिए शुरू किया गया हमारा ऐप्प "स्टेट बैंक एनीव्हेअर" तत्काल अति लोकप्रिय हो गया। इस समय मोबाइल बैंकिंग सेवाओं के क्षेत्र में भारतीय स्टेट बैंक भारत में बाजार में सबसे आगे है। इसके प्रयोक्ताओं की संख्या 1.35 करोड़ है और लेनदेन की संख्या के आधार पर इसका बाजार अंश 46% है (स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक)।

हम ऐसे समाज में निवास कर रहे हैं, जहाँ नकदी का प्रयोग कम होता जा रहा है। चाहे हम आस-पास की दुकान पर किराना सामान खरीद रहे हों या आमोद-प्रमोद अथवा व्यवसाय के लिए दुनिया की सैर पर निकले हों, सभी प्रकार के भुगतान कार्डों पर हमारी निर्भरता बढ़ती जा रही है। भारतीय स्टेट बैंक ने इस बदलाव को पहले ही पहचान लिया था। इसीलिए क्रेडिट कार्ड के जरिये भुगतान कार्य संपन्न करने के लिए एक सुदृढ़ व्यवस्था कायम करने में बैंक सबसे आगे रहा। आज इसके पास कार्डों के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने का देश में सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर है। पूरे देश में लगाए गए 2 लाख से भी ज्यादा टर्मिनलों की बदौलत हम भारत में 4 शीर्ष लेनदेन प्राप्तकर्ताओं में से एक हैं। साथ ही, सरकारी बैंकों में सबसे ज्यादा व्यापारिक संबंध (मर्चेन्ट रिलेशनशिप) हमारे ही हैं।

अपने ग्राहकों को कार्ड जारी करने के क्षेत्र में भी हम पीछे नहीं हैं। हमारे संयुक्त उद्यम एसबीआईसीपीएसएल के माध्यम से स्टेट बैंक समूह क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है। इसके पास 31 लाख प्रयोक्ताओं का आधार है और कार्ड के माध्यम से व्यय में इसका बाजार अंश 11% है (स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक)। मोबाइल बैंकिंग और कार्ड की मिली-जुली ताकत हमारे ग्राहकों के लिए स्वतंत्रता और सुविधा प्राप्त करने का शक्तिशाली और अपरिहार्य साधन है।

डिजिटल भारत का बैंक

युवा पीढ़ी के साथ जुड़ाव

युवा पीढ़ी के साथ जुड़ाव

20 से 30 वर्ष की उम्र की शुरुआत में युवा पीढ़ी उम्मीद करती है कि दुनिया उनके चाहे अनुसार झुके। जहाँ तक उनकी जीवनशैली की बात है, वे तेजी से विचार करते हैं, कई काम एक साथ करते हैं और बहुत तेजी से चीजें बदलते हैं। टेक्नोलॉजी के वे अच्छे जानकार होते हैं और सोच भी नहीं सकते कि टेक्नोलॉजी के बगैर जीवन कैसा होगा। बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप अपने उत्पादों एवं सेवाओं को बनाने की परंपरा का पालन करते हुए,

भारतीय स्टेट बैंक में हम उन लोगों से यथाशीघ्र जुड़ने के लिए दृढ़प्रतिज्ञ हैं। इसका सीधा रास्ता यही है कि हम अपने बैंक को वैसा बनाएँ, जैसा बैंक वे इस दुनिया में चाहते हैं। इसी प्रतिबद्धता के चलते हमने नए प्रकार की बैंकिंग का अनुभव कराने के लिए वर्तमान स्थितियों का लाभ उठाया है। छह शहरों में "एसबीआई इनटच" की शुरुआत करके हमने समाज के सभी वर्गों से जुड़े रहने के मजबूत इरादे के साथ कदम उठाया है।

'एसबीआई इनटच' हमारे इस स्वप्न को साकार करता है कि बैंक का विशाल नेटवर्क और डिजिटल प्लेटफॉर्म करीब आ जाएँ, जिससे हमारे ग्राहक विश्वस्तरीय बैंकिंग का अनुभव कर सकें। इन सुविधाओं के लिए उत्कृष्ट उपकरण लगाए गए हैं, जिनसे ग्राहक अपना लेनदेन स्वयं पूरा कर सकते हैं। साथ ही, उन्हें शाखा में या ऑनलाइन सहायता भी मिल सकती है। वे कई चैनलों पर निर्बाध रूप से अपना लेनदेन कर सकते हैं। इनमें लेनदेन स्वयं पूरा करने के उपकरण (स्व-सेवा स्थल), सूचना प्राप्ति और वार्तालाप उपकरण, परामर्श कक्ष और व्यवसाय कक्ष शामिल हैं।

यहाँ हमारे ग्राहक खाता खुलवाने का एक अनोखा अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। उनका खाता खुलने के साथ ही उनके नाम और फोटो सहित डेबिट कार्ड केवल 15 मिनट में प्राप्त हो सकता है। इसके लिए केवल आधार कार्ड की जरूरत होगी। इन केंद्रों पर बैंकिंग संबंधी अन्य कार्य भी शीघ्रता से पूरे किए जा सकते हैं। नकदी और चेक तत्काल जमा किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर उपस्थित विशेषज्ञ से वीडियो के जरिए किसी जटिल वित्तीय विषय पर सलाह भी ली जा सकती है।

आगे के लिए हमारा लक्ष्य है कि वर्तमान परिवेश में बदलाव करके और वर्तमान नई प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए परिपूर्ण डिजिटल व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनें। डिजिटल और मोबाइल प्लेटफार्मों को एकीकृत करें, ताकि ग्राहकों को उसका लाभ मिले और हमें भी।

डिजिटल भारत
का बैंक

भारतीय स्टेट बैंक की उपलब्धिपूर्ण यात्रा

नं 1
देश का सबसे बड़ा बैंक (जमाराशियां, अग्रिम, लाभ, शाखाएं और कर्मचारी)

27.32 करोड़+
सक्रिय ग्राहक आधार

29 लाख करोड़+
व्यवसाय आकार

1.28 लाख+
संपर्क स्थल

54,560
देश भर में एटीएम

57,575
व्यवसाय प्रतिनिधि और ग्राहक सेवा केन्द्र

6.40 करोड़+
कोर बैंकिंग लेनदेन (दैनिक औसत लेनदेन)

99.95 लाख+
प्रति दिन औसत एटीएम लेनदेन

20.50 करोड़+
स्टेट बैंक समूह डेबिट कार्ड धारक

2.20 करोड़+
इंटरनेट बैंकिंग प्रयोक्ता

1.35 करोड़+
मोबाइल बैंकिंग प्रयोक्ता

2.00 लाख+
पीओएस मशीनें

1.19 करोड़+
ग्रीन रेमिट कार्ड

84,036
समस्त भारत में गांवों को सेवा

2.97 करोड़+
रुपे डेबिट कार्ड

3.3 करोड़+
प्रधानमंत्री जनधन योजना खाते

हमारी विरासत और विज़न

वर्ष 1806 में अपने प्रादुर्भाव के साथ बैंक ऑफ कलकत्ता के रूप में स्थापित भारत का सबसे पहला बैंक भारतीय स्टेट बैंक निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। 200 वर्षों से अधिक की समृद्ध परंपरा वाला यह भारतीय उप-महाद्वीप का पहला वाणिज्यिक बैंक राष्ट्र की हजार खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण और इसकी विशाल जनसंख्या की आकांक्षाओं की पूर्ति में निरंतर सेवारत है।

भारतीय स्टेट बैंक परिसंपत्तियों, जमाराशियों, लाभ, शाखा, ग्राहक और कर्मचारी संख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है। यह करोड़ों ग्राहकों के निरंतर विश्वास के साथ आज हर भारतीय का बैंक है।

विज़न

- मेरा भारतीय स्टेट बैंक।
- मेरा ग्राहक सर्वोपरि।
- मेरा एसबीआई: ग्राहक संतुष्टि में प्रथम।

मिशन

- हम अपने ग्राहकों के प्रति तत्पर, विनम्र एवं संवेदनशील रहेंगे।
- हम युवा भारत की भाषा बोलेंगे।
- हम ऐसी सेवाएँ बनाएंगे जो हमारे ग्राहकों के सपनों को पूरा कर सकें।
- हम कर्तव्य से आगे जाकर अपने ग्राहकों को यह एहसास कराएंगे कि वे महत्वपूर्ण हैं।
- हम देश के सुदूर भागों में भी सेवाएं प्रदान करेंगे।
- विदेश-स्थित लोगों को भी हम वैसी ही सर्वोत्कृष्ट सेवा प्रदान करेंगे, जैसी भारतवासियों को प्रदान करते हैं।
- उत्कृष्टता प्राप्ति के लिए हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाएंगे।

मूल्य

- हम सदा ईमानदार, निश्छल और नीतिप्रिय रहेंगे।
- हम अपने ग्राहकों एवं सहकर्मियों का सम्मान करेंगे।
- ज्ञान हमारा मार्गदर्शक होगा।
- हम सीखने की प्रक्रिया जारी रखेंगे और प्राप्त ज्ञान का प्रसार करेंगे।
- हम कभी सुविधावादी मार्ग नहीं अपनाएंगे।
- जिस समाज में हम कार्य करते हैं, उसके उत्थान हेतु हम हर संभव प्रयास करेंगे।
- हम भारत में गर्व का विकास करेंगे।

एसबीआई समूह संरचना 31 मार्च 2015 को

एसबीआई

देशीय बैंकिंग अनुषंगियाँ

- 75.07% स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
- 100% स्टेट बैंक हैदराबाद
- 90.00% स्टेट बैंक मैसूर
- 100% स्टेट बैंक पटियाला
- 78.91% स्टेट बैंक त्रावणकोर

गैर- बैंकिंग अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम

- 100% एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.
  - एसबीआई कैप सिक्युरिटीज लि.
  - एसबीआई कैप वेंचर्स लि.
  - एसबीआई कैप (यू के) लि.
  - एसबीआई कैप ट्रस्टीज कंपनी लि.
  - एसबीआई कैप (सिंगापुर लि.)
- 63.78% एसबीआई डीएफएचआई लि.
- 100% एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्रा. लि.
- 100% एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 86.18% एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.
- 60% एसबीआई पेंशन फंड्स प्रा. लि.
- 63% एसबीआई फंड्स मैनेजमैंट प्रा. लि.
  - एसबीआई फंडस मैनेजमैंट (इंटरनेशनल) प्रा. लि .
- 60% एसबीआई कार्ड्स एण्ड पेमेंट्स सर्विसेज प्रा. लि.

(स्वामित्व अंश %)

विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ/ संयुक्त उद्यम

74%	एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस कंपनी लि.
65%	एसबीआई- एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेज़ प्रा. लि.
74%	एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि .
49%	सी- एज टेक्नोलोजीज लि.
40%	जी ई कैपिटल बिजनेस प्रोसेस मैनेजमैंट सर्विसेज प्रा. लि.
45%	मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मनेजमेंट प्रा. लि.
	मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी लि.
45%	एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
45%	एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टीज प्रा. लि.
50%	ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्ट्मेंट फंड मैनेजमैंट कंपनी प्रा. लि.
50%	ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.

100%	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (केलिफोर्निया)
100%	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कनाडा)
60%	कामर्शियल इंडो बैंक एल एल सी.
96.60%	एसबीआई (मॉरिशस) लि.
99%	बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
55.10%	नेपाल एसबीआई बैंक लि.
100%	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (बोत्सवाना) लि.
20%	बैंक ऑफ भूटान लि.

निष्पादन संकेतक

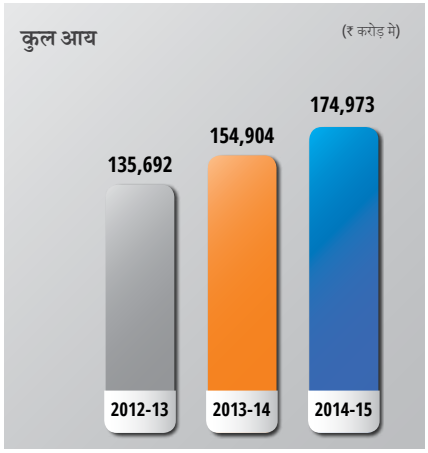
कुल आय
(₹ करोड़ में)
135,692
154,904
174,973
2012-13
2013-14
2014-15

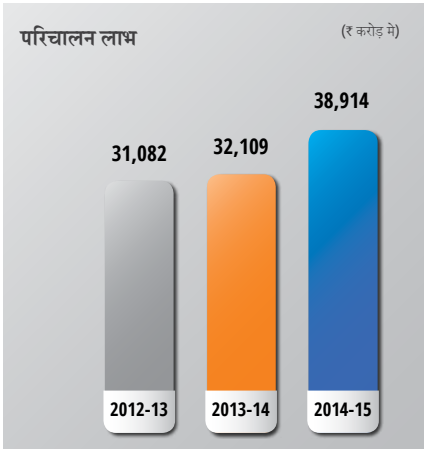
परिचालन लाभ
(₹ करोड़ में)
31,082
32,109
38,914
2012-13
2013-14
2014-15

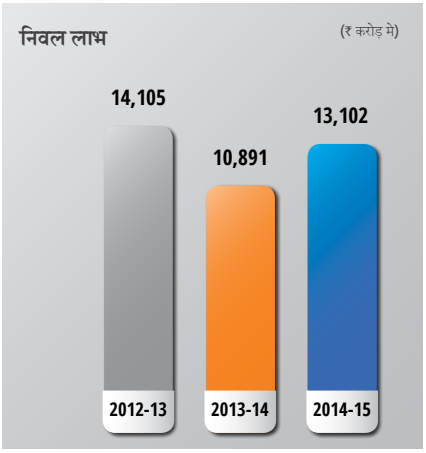
निवल लाभ
(₹ करोड़ में)
14,105
10,891
13,102
2012-13
2013-14
2014-15

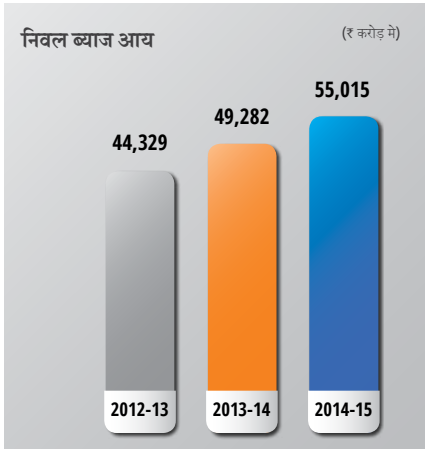
निवल ब्याज आय
(₹ करोड़ में)
44,329
49,282
55,015
2012-13
2013-14
2014-15

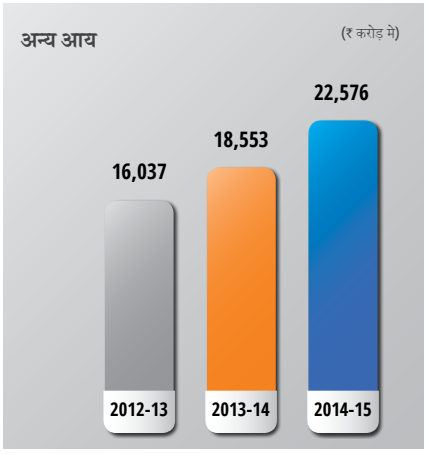
अन्य आय
(₹ करोड़ में)
16,037
18,553
22,576
2012-13
2013-14
2014-15

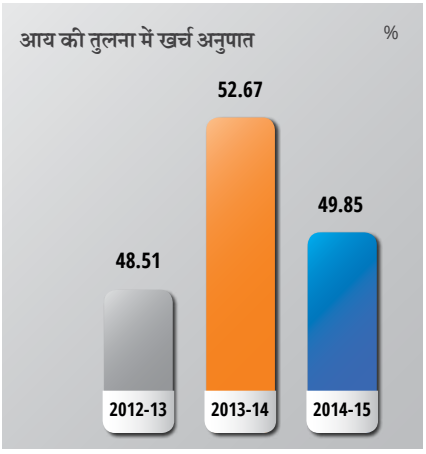
आय की तुलना में खर्च अनुपात
%
48.51
52.67
49.85
2012-13
2013-14
2014-15

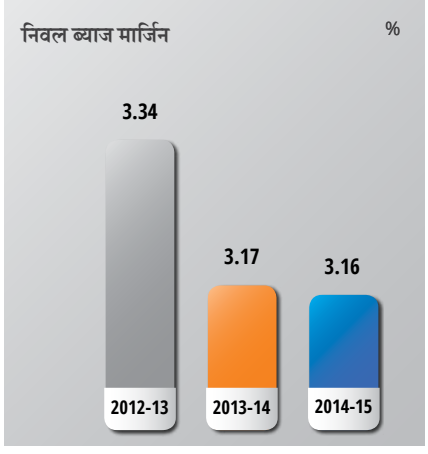
निवल ब्याज मार्जिन
%
3.34
3.17
3.16
2012-13
2013-14
2014-15

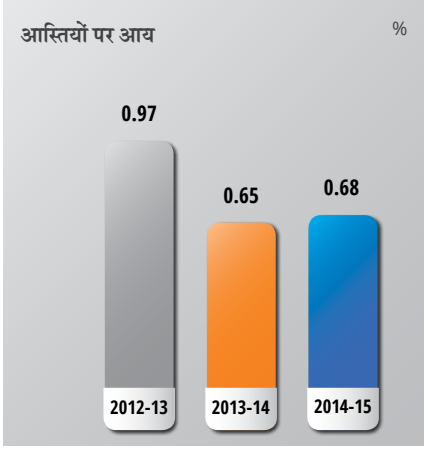
आस्तियों पर आय
%
0.97
0.65
0.68
2012-13
2013-14
2014-15

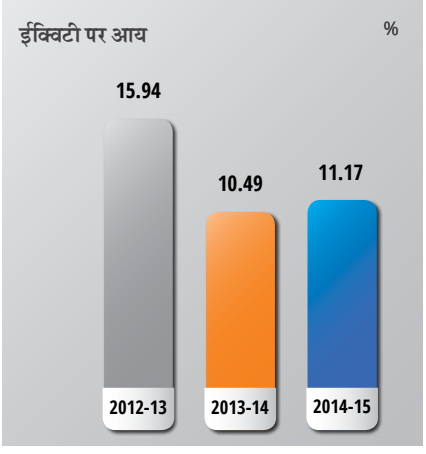
ईक्विटी पर आय
%
15.94
10.49
11.17
2012-13
2013-14
2014-15

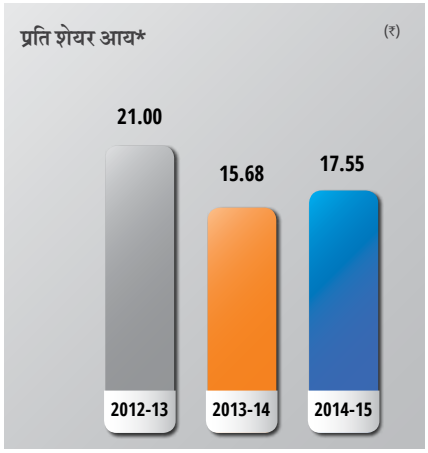

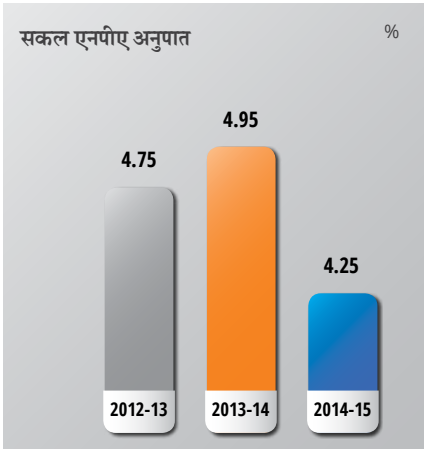

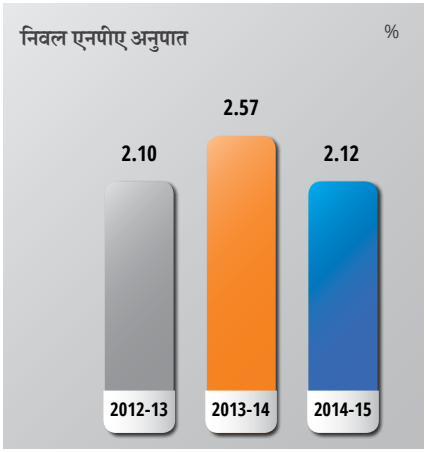

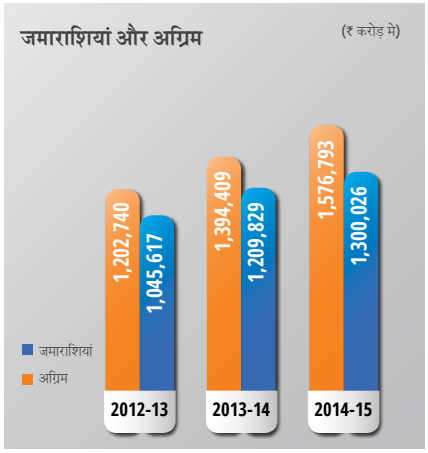

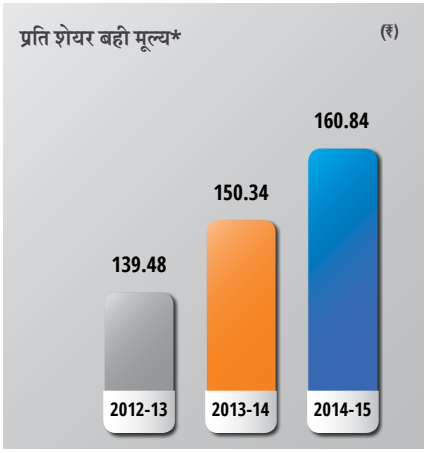

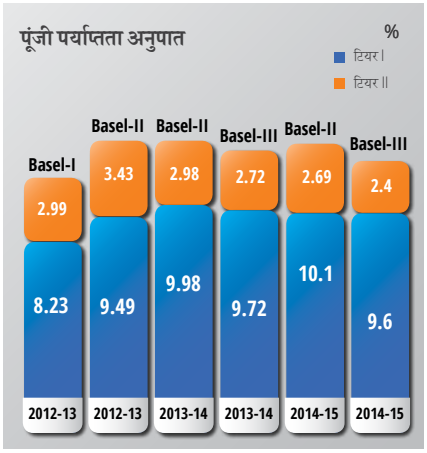

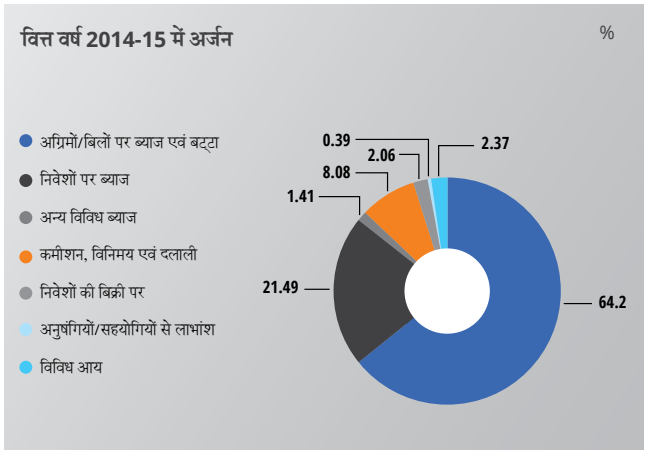

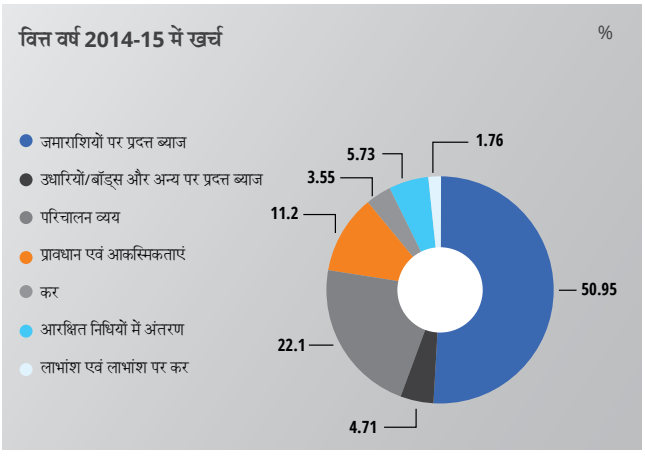

बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को 10 रुपए प्रति शेयर से 1 रुपए प्रति शेयर किया गया। प्रत्येक अवधि के लिए प्रस्तुत सभी सूचना पर इसका असर रहा।

पिछले 10 वर्षों का वित्तीय प्रदर्शन

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
देयताएं										
पूंजी (करोड़ ₹)	526	526	631	635	635	635	671	684	747	747
आरक्षित निधियां एवं अधिशेष (करोड़ ₹)	27,118	30,772	48,401	57,313	65,314	64,351	83,280	98,200	1,17,536	1,27,692
जमाराशियां (करोड़ ₹)	3,80,046	4,35,521	5,37,404	7,42,073	8,04,116	9,33,933	10,43,647	12,02,740	13,94,409	15,76,793
उधारियां (करोड़ ₹)	30,642	39,704	51,728	53,713	1,03,012	1,19,569	1,27,006	1,69,183	1,83,131	2,05,150
अन्य (करोड़ ₹)	55,538	60,042	83,362	1,10,698	80,337	1,05,248	80,915	95,404	96,927	1,37,698
कुल (करोड़ ₹)	**493,870**	**5,66,565**	**7,21,526**	**9,64,432**	**10,53,414**	**12,23,736**	**13,35,519**	**15,66,211**	**17,92,748**	**20,48,080**
आस्तियां										
निवेश (करोड़ ₹)	1,62,534	1,49,149	1,89,501	2,75,954	2,85,790	2,95,601	3,12,198	3,50,878	3,98,800	4,95,027
अग्रिम (करोड़ ₹)	2,61,642	3,37,337	4,16,768	5,42,503	6,31,914	7,56,719	8,67,579	10,45,617	12,09,829	13,00,026
अन्य आस्तियां (करोड़ ₹)	69,694	80,079	1,15,257	1,45,975	1,35,710	1,71,416	1,55,742	1,69,716	1,84,119	2,53,027
कुल (करोड़ ₹)	**4,93,870**	**5,66,565**	**7,21,526**	**9,64,432**	**10,53,414**	**12,23,736**	**13,35,519**	**15,66,211**	**17,92,748**	**20,48,080**
निवल ब्याज आय (करोड़ ₹)	15,589	15,058	17,021	20,873	23,671	32,526	43,291	44,329	49,282	55,015
एनपीए के लिए प्रावधान (करोड़ ₹)	148	1,429	2,001	2,475	5,148	8,792	11,546	11,368	14,224	17,284
परिचालन परिणाम (करोड़ ₹)	11,299	10,000	13,108	17,915	18,321	25,336	31,574	31,082	32,109	38,914
कर-पूर्व निवल लाभ (करोड़ ₹)	6,906	7,625	10,439	14,181	13,926	14,954	18,483	19,951	16,174	19,314
निवल लाभ (करोड़ ₹)	4,407	4,541	6729	9121	9,166	8,265	11,707	14,105	10,891	13,102
औसत आस्तियों से आय (%)	0.89	0.84	1.01	1.04	0.88	0.71	0.88	0.97	0.65	0.68
ईक्विटी से आय (%)	15.47	14.24	17.82	15.07	14.04	12.84	14.36	15.94	10.49	11.17
आय की तुलना में व्यय (%) (निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)	58.7	54.18	49.03	46.62	52.59	47.6	45.23	48.51	52.67	49.85
प्रति कर्मचारी लाभ (000 ₹)	217	237	373	474	446	385	531	645	485	602
प्रति शेयर आय (₹)	83.73	86.1	126.62	143.77	144.37	130.16	184.31	210.06	156.76	17.55
प्रति शेयर लाभांश (₹)	14	14	21.5	29	30	30	35	41.5	30	3.5
एसबीआई शेयर (एनएससी में मूल्य) (₹)	968.5	994.45	1,600.25	1,067.10	2,078.20	2,765.30	2,096.35	2,072.75	1,917.70	267.05
लाभांश भुगतान अनुपात %(₹)	16.72	16.22	20.18	20.19	20.78	23.05	20.06	20.12	20.56	20.21
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)										
बासेल-II (₹ करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A.	85,393	90,975	98,530	1,16,325	1,29,362	1,45,845	1,54,491
बासेल-II (%)				14.25	13.39	11.98	13.86	12.92	12.96	12.79
टियर I (₹ करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A.	56,257	64,177	63,901	82,125	94,947	1,12,333	1,22,025
टियर I (%)				9.38	9.45	7.77	9.79	9.49	9.98	10.1
टियर II (₹ करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A.	29,136	26,798	34,629	34,200	34,415	33,512	32,466
टियर II (%)				4.87	3.94	4.21	4.07	3.43	2.98	2.69
बासेल-III (₹ करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	1,40,151	1,46,519
बासेल-III (%)									12.44	12
टियर I (₹ करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	1,09,547	1,17,157
टियर I (%)									9.72	9.6
टियर II (₹ करोड़ में)	N.A.	N.A.	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	30,604	29,362
टियर II (%)									2.72	2.4
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए (%)	1.88	1.56	1.78	1.79	1.72	1.63	1.82	2.1	2.57	2.12
देश में शाखाओं की संख्या	9,177	9,231	10,186	11,448	12,496	13,542	14,097	14,816	15,869	16,333
विदेश-स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या	70	83	84	92	142	156	173	186	190	191

*22 नवंबर 2014 से (रेकार्ड तिथि 21.11.2014) बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को 10 रुपए प्रति शेयर से 1 रुपया प्रति शेयर किया गया। आँकड़ें वर्ष 2014-15 के लिए 1 रुपए प्रति शेयर और शेष वर्ष के लिए 10 रुपए प्रति शेयर रहा।

रेटिंग्स 31 मार्च, 2015 को

	रेटिंग	रेटिंग एजेंसी
लिखत		
बैंक रेटिंग	बीएए3/पी3/स्टेबल (एम)/डी+	मूडीस
	बीबीबी-/ स्टेबल/ए-3	एस एण्ड पी
	बीबीबी-/एफ़ 3/ स्टेबल	फिच
लिखित रेटिंग नवोन्मेषी बेमियादी ऋण लिखत	एएए/ स्टेबल	क्रिसिल
	केयर एएए	केयर
उच्चतर टियर II गौण ऋण	एएए/ स्टेबल	क्रिसिल
	केयर एएए	केयर
न्यूनतर टियर II गौण ऋण	एएए/ स्टेबल	क्रिसिल
	केयर एएए	केयर
	एएए(आईसीआरए)	आईसीआरए
बेसल II टियर 2	एएए/ स्टेबल	क्रिसिल
	केयर एएए	केयर
	एएए (आईसीआरए)	आईसीआरए

केयर : क्रेडिट एनालिसिस एण्ड रिसर्च लिमिटेड
आईसीआरए : आईसीआरए लिमिटेड
क्रिसिल : क्रिसिल लिमिटेड
एस एंड पी : स्टेंडर्ड एण्ड पुअर

केंद्रीय निदेशक बोर्ड 22 मई 2015 को

श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य
अध्यक्ष

श्री पी प्रदीप कुमार
प्रबंध निदेशक

श्री बी श्रीराम
प्रबंध निदेशक

श्री वी जी कन्नन
प्रबंध निदेशक

श्री रजनीश कुमार
प्रबंध निदेशक (26-5-2015 से)

श्री संजीव मल्होत्रा
स्वतंत्र निदेशक

श्री सुनील मेहता
स्वतंत्र निदेशक

श्री एम डी माल्या
स्वतंत्र निदेशक

श्री दीपक आई अमिन
स्वतंत्र निदेशक

श्री एस के मुखर्जी
अधिकारी कर्मचारी निदेशक

डॉ राजीव कुमार
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

डॉ. हसमुख अढ़िया
सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

डॉ ऊर्जित आर. पटेल
उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

अध्यक्ष
श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य

प्रबंध निदेशक
श्री पी प्रदीप कुमार
श्री बी श्रीराम,
श्री वी जी कन्नन
श्री रजनीश कुमार (26-5-2015 से)

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ग) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक
श्री संजीव मल्होत्रा
श्री एम डी माल्या
श्री सुनील मेहता
श्री दीपक आई अमिन

कार्यकाल: 3 वर्ष तथा 3 वर्ष की अवधि के लिए पुनर्निर्वाचन हेतु पात्र

अधिकतम कार्यकाल: लगातार 6 वर्ष

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (गख) के अंतर्गत निदेशक
श्री एस के मुखर्जी

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (घ) के अंतर्गत निदेशक
डॉ राजीव कुमार
श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी

कार्यकाल: 3 वर्ष तथा पुनर्नियुक्ति/पुनर्नामांकन हेतु पात्र, परंतु अधिकतम कार्यकाल 6 वर्ष।

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ङ) के अंतर्गत निदेशक
डॉ. हसमुख अढ़िया

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (च) के अंतर्गत निदेशक
डॉ ऊर्जित आर. पटेल

बोर्ड की समितियां दिनांक 22 मई 2015 की स्थिति के अनुसार

केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति (ईसीसीबी)
अध्यक्ष
श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य

प्रबंधक निदेशक
श्री पी प्रदीप कुमार,
श्री बी श्रीराम एवं श्री वी जी कन्नन

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (च) के अंतर्गत नामित निदेशक (भारतीय रिजर्व बैंक के नामिती), अर्थात डॉ. ऊर्जित आर.पटेल और भारत में हो रही बैठक-स्थल के निवासी या बैठक के समय उस स्थान पर उपस्थित सभी या अन्य कोई निदेशक।

बोर्डकी लेखा-परीक्षा समिति (एसीबी)
श्री सुनील मेहता, निदेशक-समिति के अध्यक्ष (22-4-2015 से)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
डॉ राजीव कुमार, निदेशक-सदस्य
डॉ हसमुख अढ़िया, भारत सरकार के नामिती-सदस्य
डॉ ऊर्जित आर.पटेल, भारतीय रिजर्व बैंक के नामिती- सदस्य
श्री पी प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)
श्री पी प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)- समिति के अध्यक्ष
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य
डॉ राजीव कुमार, निदेशक-सदस्य
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी, निदेशक-सदस्य

हितधारक संबंध समिति (एसआरसी)
श्री एम डी माल्या, निदेशक-समिति के अध्यक्ष
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य
डॉ राजीव कुमार, निदेशक-सदस्य
श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह, निदेशक-सदस्य
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)- सदस्य (पदेन)
श्री वी जी कन्नन, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-सदस्य (पदेन)

बड़ी राशि की धोखाधड़ी की निगरानी करने के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)
श्री पी प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (वाणिज्यिक बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य
श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह, निदेशक-सदस्य
श्री त्रिभुवन नाथ चतुर्वेदी, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री वी जी कन्नन, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपलक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-सदस्य (पदेन)
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य
श्री एस के मुखर्जी, निदेशक-सदस्य
श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)
श्री दीपक आई. अमिन, सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री पी प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)

बोर्ड की पारिश्रमिक समिति (आरसीबी)
डॉ हसमुख अढ़िया, भारत सरकार के नामिती-सदस्य (पदेन)
डॉ ऊर्जित आर.पटेल, आरबीआई नामिती- सदस्य (पदेन)
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई.अमिन, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की वसूली निगरानी समिति (बीसीएमआर)
श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य - अध्यक्ष
श्री पी प्रदीप कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग)-सदस्य
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)-सदस्य
श्री वी जी कन्नन, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-सदस्य
डॉ हसमुख अढ़िया, भारत सरकार के नामिती-समिति (पदेन)

कारपोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआर)
श्री बी श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग)-सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री वी जी कन्नन, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-सदस्य
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री सुनील मेहता, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमिन, निदेशक-सदस्य
श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह, निदेशक-सदस्य

प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग) को छोड़कर- स्थानीय बोर्डों के सदस्य-भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 21 (1) (क) के अंतर्गत अध्यक्ष द्वारा नामित 22 मई 2015 की स्थिति के अनुसार

अहमदाबाद
श्री ए.एन.अप्पय्या
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

बंगलूर
श्रीमती रजनी मिश्रा
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्रीमती सुजया दिनेश अल्वा

भोपाल
श्री रितेन घोष
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री अनिल गर्ग

भुवनेश्वर
श्री कृष्ण मोहन त्रिवेदी
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री शरत चंद्र भद्र

चंडीगढ़
श्री लिंगराज महापात्रा
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्रीमती रवींदर कौर
श्री अनिल अरोड़ा

चेन्नई
श्री पी एस प्रकाश राव
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

हैदराबाद
श्री सी आर शशिकुमार
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री एम वी रंगनाथ

कोलकाता
श्री प्रशांत कुमार
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

लखनऊ
श्री करणम शेखर
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री हरिचंद्र बहादुर सिंह*
श्री मुनीश कुमार जैन

मुंबई
श्री सुधीर दूबे
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा*
श्री एम डी माल्या*
श्री सुनील मेहता*
श्री दीपक आई.अमिन*

दिल्ली
श्री पल्लव महापात्रा
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
डॉ. राजीव कुमार*
श्री टी.एन.चतुर्वेदी*
श्री दिनेश कुमार

उत्तर-पूर्व
श्री संजय कुमार मगू
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

पटना
श्री अजित सूद
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री संजय मंडल

केरल
श्री बादल चंद्र दास
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री फिलिप मैथ्यू
श्री ए. गोपालकृष्णन

*भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 21 (1) (ख) के अनुसार स्थानीय बोर्डों में नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक

केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य

दिनांक 22 मई 2015 की स्थिति के अनुसार

श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य
अध्यक्ष

श्री पी प्रदीप कुमार
प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक
(कारपोरेट बैंकिंग)

श्री बी श्रीराम
प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक
(राष्ट्रीय बैंकिंग)

श्री वी जी कन्नन
प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक
(सहयोगी एवं अनुषंगियाँ)

श्री वी मुरली
उप प्रबंधक निदेशक
(निरीक्षण एवं प्रबंधन लेखापरीक्षा)

श्री एन कृष्णामाचारी
उप प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक
(मध्य कारपोरेट)

श्री प्रवीण कुमार मल्होत्रा
उप प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक
(तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन)

श्री अश्विनी मेहरा
उप प्रबंध निदेशक एवं कारपोरेट विकास अधिकारी

श्री पी के गुप्ता
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी

श्री सुनील श्रीवास्तव
उप प्रबंध निदेशक
(कारपोरेट कार्यनीति एवं नव व्यवसाय)

श्रीमती वर्षा पुरंदरे
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ऋण अधिकारी

डॉ. एम जी वैद्यन
उप प्रबंध निदेशक
(रीटेल कार्यनीति) राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

श्री सिद्धार्थ सेनगुप्ता
उप प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग)

श्रीमती अंशुला कांत
उप प्रबंध निदेशक
(परिचालन), राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

डॉ. एम एस शास्त्री
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य जोखिम अधिकारी

श्री मृत्युंजय महापात्रा
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य सूचना अधिकारी

बैंक के लेखा-परीक्षक

1. **मेसर्स एस. वेंकटराम एण्ड कंपनी,**
चेन्नई, एससीए चेन्नई मंडल

2. **मेसर्स वी. पी. आदित्य एण्ड कंपनी,**
कानपुर, एससीए लखनऊ मंडल

3. **मेसर्स एस. एन. नंदा एण्ड कंपनी,**
नई दिल्ली, एससीए पटना मंडल

4. **मेसर्स एस. जयकिशन,**
कोलकाता, एससीए बंगाल मंडल

5. **मेसर्स धमीजा सुखीजा एण्ड कंपनी,**
श्रीनगर, एससीए दिल्ली मंडल

6. **मेसर्स श्रीराममूर्ति एण्ड कंपनी,**
विशाखापटनम, एससीए हैदराबाद मंडल

7. **मेसर्स प्रकाश एण्ड संतोष,**
कानपुर, एससीए भोपाल मंडल

8. **मेसर्स टी. आर. चड्ढा एण्ड कंपनी,**
नई दिल्ली, एससीए मुंबई मंडल

9. **मेसर्स के. बी. शर्मा एण्ड कंपनी,**
जम्मू, एससीए चंडीगढ़ मंडल

10 **मेसर्स मेहरा गोयल एंड कं.,**
नई दिल्ली, एससीए बंगलूर मंडल

11 **मेसर्स एस आर आर के शर्मा एसोसिएट्स**
बंगलूर, एससीए केरल मंडल

12 **मेसर्स बी छावछरिया एंड कं.,**
कोलकाता, एससीए भुवनेश्वर मंडल

13 **मेसर्स एस. एन. मुखर्जी एंड कं.,**
कोलकाता, एससीए उत्तर पूर्वी मंडल

14 **मेसर्स वी. शंकर अय्यर एंड कं.,**
मुंबई, एससीए अहमदाबाद मंडल

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय शेयरधारको,

आपके बैंक के वित्त वर्ष 2014-15 के प्रदर्शन की प्रमुख बातों को आपके सामने प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। आपके बैंक की उपलब्धियों और नए प्रयासों की विस्तृत जानकारी वर्ष 2014-15 की संलग्न वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है।

आर्थिक परिदृश्य

वर्ष 2014 में वैश्विक अर्थव्यवस्था मध्यम गति से आगे बढ़ी और विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में इस गति में बहुत अंतर रहा, किंतु हाल ही में कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हुई भारी गिरावट से आर्थिक परिवेश बेहतर होता जान पड़ता है, क्योंकि तेल की कीमतों में गिरावट से विश्व की सकल मांग में वृद्धि होने और अमेरिका की अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार होने की आशा है। यूरो क्षेत्र की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 0.4% की संवृद्धि विश्व की कमजोर अर्थव्यवस्था के बीच मजबूती का संकेत है। इससे वैश्विक वृद्धि को और वेग मिलने की आशा है। अमेरिका में रोजगार में बढ़त जारी है, जिससे स्पष्ट होता है कि अमेरिकी श्रम बाजार सुदृढ़ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम अनुमान के अनुसार, 2015 में विश्व अर्थव्यवस्था में 3.5% की वृद्धि अनुमानित है, जो पिछले वर्ष की 3.4% की वृद्धि से कुछ अधिक है। जहाँ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में 2015 और 2016 में 2.4% की संवृद्धि का अनुमान है, वहीं उभरते हुए बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में (वर्ष 2014 में 4.6% से) 2015 में 4.3% और 2016 में 4.7% की मध्यम संवृद्धि का अनुमान है। यद्यपि आर्थिक गतिविधियों में लगातार भिन्नता बनी रहेगी।

संवृदिध के नए पैमाने के अनुसार, भारत के लिए सकल मूल्य संयोजन (जीवीए) वित्त वर्ष 15 की अंतिम तिमाही में कम होकर 6.1% पर आ गया, जबकि दूसरी तिमाही में यह 8.4% था और पूरे वर्ष के लिए यह 7.2% रहा। परंतु बाजार कीमतों पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद के पैमाने से वित्त वर्ष 15 की चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था में 7.5% की वृद्धि हुई (वित्त वर्ष 15 में यह 7.3% रही)। चौथी तिमाही की जीडीपी और जीवीए में 1.4 प्रतिशत बिंदु के इस भारी अंतर के कारण हैं - विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि और व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारक क्षेत्रों से संबंधित सेवाओं में जबर्दस्त बढ़त।

औद्योगिक उत्पादन में गति आने के साथ भारत धीरे-धीरे सुधार की ओर बढ़ रहा है, किंतु स्फीतिकारी दबावों में कमी से घरेलू मांग को बढ़ाने में मौद्रिक स्थिति प्रोत्साहक रहने की आशा है। अच्छी बात यह है कि जून 2015 में पर्याप्त से अधिक वर्षा होने से कम मानसून की जोखिम दूर होती हुई दिखाई देती है। विदेश व्यापार में, वित्त वर्ष 15 में स्थिति निराशाजनक (वित्त वर्ष 14 में 4.7% की वृद्धि की तुलना में -1.2%) रही है। कमजोर वैश्विक मांग की पृष्ठभूमि में ऐसा हुआ। पर, तेल की कमजोर कीमतों के कारण आयात बिल में हुई कमी चालू खाते के घाटे (सीएडी) को वित्त वर्ष 15 में वित्त वर्ष 14 के 1.7% से 1.3% तक कम रखने में सहायक होगी। आगे के लिए अनुमान है कि विश्व अर्थव्यवस्था में सुधार होने से निर्यातों में वृद्धि होने और सरकार की विभिन्न पहलों से घरेलू निवेश परिवेश में सुधार होने से आर्थिक वृद्धि के लिए अनुकूल स्थितियाँ रहेंगी।

आपके बैंक का प्रदर्शन

जमाराशियाँ

वर्ष 2014-15 में सकल जमाराशियाँ 13.08% बढ़कर ₹15,76,793 करोड़ के स्तर पर पहुँच गईं, जो पिछले वर्ष ₹13,94,409 करोड़ थीं। उद्योग के औसत की तुलना में अधिक वृद्धि के कारण समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में आपके बैंक का बाजार अंश मार्च 2015 में 43 आधार बिंदु बढ़कर 17.00% हो गया।

अध्यक्ष की कलम से

इसमें भी विशेष बात यह है कि इस वृद्धि में बड़ा योगदान खुदरा जमाराशियों का रहा। वित्त वर्ष 15 में खुदरा मीयादी जमाराशियाँ बढ़कर 49.06% हो गईं, जो पिछले वित्त वर्ष में 45.47% रही थीं। बैंक में कासा जमाराशियाँ लगातार 42.88% के उत्तम स्तर पर बनी हुई हैं और मार्च 2015 में देशीय जमाराशियों में कासा तथा खुदरा जमाराशियों का अनुपात बढ़कर 91.9% हो गया है, जो पिछले वर्ष 89.89% रहा था। इसी दौरान, बचत बैंक जमाराशियाँ 9.5% बढ़कर ₹5,13,905 करोड़ हो गईं और चालू खाता जमाराशियों में 11.65% की वृद्धि हुई।

अग्रिम

आपके बैंक के अग्रिम ₹13,00,000 करोड़ के चिह्न को पार कर 7.3% की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2015 में ₹13,35,424 करोड़ के स्तर पर पहुँच गए। वर्ष 2014-15 में आपका बैंक मध्य कारपोरेट और एसएमई क्षेत्रों को ऋण देने में सतर्क रहा (इन दोनों क्षेत्रों में वृद्धि समान है)। इसी दौरान, बड़े कारपोरेट ऋण में 12% की वृद्धि हुई। पुनर्वित्त अवसरों का उपयोग और कुछ रुकी हुई परियोजनाओं को संवितरण इस वृद्धि के प्रमुख कारक रहे। उद्योगवार देखा जाए तो आधारिक संरचना क्षेत्र (21%) और लौह तथा इस्पात (16%) सबसे बड़े लाभार्थी बने रहे।

इसके अतिरिक्त, 15% की जबर्दस्त वृद्धि के साथ देशीय खुदरा ऋण क्षेत्र ऋण-संवितरण में हुई समग्र वृद्धि में सबसे प्रभावी योगदान करने वाला क्षेत्र बना रहा। खुदरा क्षेत्र में वाहन ऋण 15% की उत्तम वृद्धि के साथ ₹32,149 करोड़ रहे, जो मार्च 2014 में ₹27,925 करोड़ थे। इसके अतिरिक्त ₹1,59,237 करोड़ (+13%) के आवास ऋणों और समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में 25.24% के बाजार अंश के साथ आपके बैंक ने देश के सबसे बड़े आवास ऋण प्रदाता का स्थान बरकरार रखा। शिक्षा ऋणो में वर्ष 2014-15 में ₹724 करोड़ की वृद्धि हुई और यहाँ भी भारतीय स्टेट बैंक 24.39% बाजार अंश के साथ समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में अग्रणी रहा। अंत में कृषि क्षेत्र में आपके बैंक ने इस बार भी सरकार द्वारा वर्ष 2014-15 के लिए निर्धारित ₹84,500 करोड़ के लक्ष्य से अधिक ₹86,193 करोड़ के ऋण दिए।

शाखा-विस्तार

मार्च 2015 में आपके बैंक का शाखा नेटवर्क 16,333 पर पहुँच गया। इनमें से 66% शाखाएँ ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में हैं। विवेकशील अनिवासी भारतीय ग्राहकों को सर्वोत्तम परिवेश और कार्यकुशल तथा समर्पित अधिकारियों की सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए, आपके बैंक ने भारत में 81 अनिवासी भारतीय शाखाएँ खोली हैं, जो केवल अनिवासी भारतीयों के लिए कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, लगभग 100 शाखाएँ ऐसी हैं, जहाँ अनिवासी भारतीयों का बाहुल्य है। सब मिलाकर 16 लाख अनिवासी भारतीय ग्राहकों को सेवा प्रदान की जा रही है।

परिचालन संरचना में विभिन्नता विभिन्न बाजारों में बैंक की विस्तार गतिविधियों का आधार है। बैंक के 191 विदेशी कार्यालय 36 देशों में फैले हुए हैं। इन कार्यालयों में 69 शाखाएँ हैं, 8 प्रतिनिधि कार्यालय हैं, सात विदेशी बैंकिग अनुषंगियों के 110 कार्यालय हैं और 4 अन्य कार्यालय हैं। वर्ष 2014-15 के दौरान, आपके बैंक ने म्याँमार में एक नया प्रतिनिधि कार्यालय और धनमोंडि, बांग्लादेश में भारतीय वीज़ा आवेदन प्राप्ति केंद्र खोला।

प्रौद्योगिकी

नए युग की बैंकिंग पूरी तरह डिजिटल बैंकिंग है, क्योंकि हर पीढ़ी के लोगों में इंटरनेट, सोशल मीडिया और अपने स्मार्ट फोन का बैंकिंग के लिए उपयोग बढ़ता जा रहा है। भारत के सबसे बड़े बैंक के रूप में आपका बैंक हजारों वाणिज्यिक संस्थानों और करोड़ों लोगों के जीवन से एकाकार है। नई चुनौतियों का सामना करने और उपभोक्ता रुझानों को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्टेट बैंक समय के साथ स्वयं को बदलता रहा है।

आपका बैंक जानता है कि आधुनिक बैंकिंग का तात्पर्य है कि लोग अपने धन तक पहले से अधिक शीघ्रता, त्रुटिहीनता और निपुणता से पहुँच सकें। बैंक अपने विद्यमान और संभावित ग्राहकों की आवश्यकताओं पर पूरा ध्यान दे रहा है और अपने डिजिटल व्यापार मॉडल को अपनाने तथा विकसित करने में अन्यों से आगे है।

वर्ष 2014-15 में **एसबीआई इनटच** इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। बैंक के विशाल नेटवर्क और डिजिटल/मोबाइल प्लेटफार्मों को साथ लाकर ग्राहकों को वैश्विक श्रेणी की बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान करने का आपके बैंक का स्वप्न इसके माध्यम से साकार हुआ है। छह शहरों में प्रारंभ किए गए ये केंद्र उत्कृष्ट उपकरणों और यंत्रों से सुसज्जित हैं, जहाँ ग्राहक स्व-सेवा पद्धति से लेनदेन कर सकता है और वहीं पर या अन्यत्र उपस्थित विशेषज्ञ से सेवा सहायता भी प्राप्त कर सकता है। ये केंद्र विभिन्न चैनलों की सेवा अविरत उपलब्ध कराते हैं। इन केंद्रों में लेनदेन संसाधन केंद्र (स्वयं सेवा क्षेत्र), सूचना और संवाद केंद्र, परामर्श कक्ष और व्यवसाय कक्ष सभी का समावेश होता है।

इसके साथ ही आपका बैंक नकदी जमा मशीने लगाने पर भी तेजी से कार्य कर रहा है, ताकि ग्राहक इन मशीनों के माध्यम से नकदी जमा करा सकें। मार्च 2015 तक 1,849 मशीनें लगाई जा चुकी थीं, जबकि मार्च 2013 में इनकी संख्या 698 थी। ये मशीनें ग्राहकों को 24x7 उपलब्ध रहती हैं।

आपके बैंक ने नवंबर 2014 में **स्वयं** बारकोड आधारित पासबुक प्रिंटिंग प्रारंभ की थी। उस समय 2,500 पासबुक प्रिंटिंग किओस्क लगाने का लक्ष्य था। इस प्रकार के किओस्क में ग्राहक अपनी पासबुक स्वयं प्रिंट कर सकते हैं। मार्च 2015 तक इस प्रकार के 1500 से अधिक किओस्क लगाए जा चुके हैं, जिनमें प्रतिदिन 2,50,000 लेनदेन दर्ज हो रहे हैं। केवल 4 माह की अल्प अवधि में 1 करोड़ लेनदेनों की पासबुक प्रिंटिंग स्वयं के माध्यम से हुई है।

मार्च 2015 को आपके बैंक और सहयोगी बैंकों के मिलाकर कुल 54 हजार एटीएम से ज्यादा का नेटवर्क है, जो विश्व के सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक है। इसमें किओस्क और नकदी जमा मशीनें भी शामिल हैं। आपके बैंक ने 20 करोड़ से ज्यादा कार्ड जारी किए हैं। एटीएम बैस 24 स्विच को हाल ही में अपग्रेड किया गया है। अब यह 50,000 एटीएम संभाल सकता है। यह इलेक्ट्रा स्विच के अतिरिक्त है।

आपके बैंक का ऑनलाइन बैंकिंग प्लेटफॉर्म खुदरा और कारपोरेट ग्राहकों को सुदृढ़ और ग्राहक-अनुकूल नेट बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है। कारपोरेट ग्राहकों में सरकारी उपक्रम और सरकारी एजेंसियाँ भी शामिल हैं। इस किफायती चैनल के माध्यम से वर्ष 2014-15 के दौरान 86 करोड़ लेनदेन हुए, जो पिछले वर्ष से 39% अधिक हैं। हमारे सुदृढ़ खुदरा इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म को दृष्टिबाधित ग्राहकों के उपयोग लायक भी बनाया गया है।

मोबाइल फोन के माध्यम से बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने में आपका बैंक लेनदेन की मात्रा के आधार पर 41% बाजार अंश के साथ बाजार-अग्रणी है। **स्टेट बैंक फ्रीडम** नाम से उपलब्ध आपके बैंक की किफायती मोबाइल बैंकिंग सेवा चौबीसों घंटे तत्क्षण उपलब्ध रहती है। इसमें सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

आपके बैंक ने बचत खाते खोलने, आवास ऋण और वाहन ऋण की सैद्धांतिक स्वीकृति देने तथा एसएमई ऋणों के लिए मंजूरी पूर्व सर्वेक्षण को रिकॉर्ड करने के लिए टैब बैंकिंग सेवाएँ प्रारंभ की हैं।

लाभप्रदता

वित्त वर्ष 15 में उपभोक्ता मांग में गिरावट के कारण जमाराशियों में वृद्धि अग्रिमों की तुलना में कुछ ज्यादा रही। इस कारण वर्ष के दौरान लाभप्रदता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण बना रहा। इसके बावजूद, वित्त वर्ष 15 में बैंक का स्टेंडअलोन निवल लाभ 20.3% बढ़कर ₹13,102 करोड़ हो गया। लाभ में इतनी वृद्धि दो उपायों से हुई। पहला यह कि बैंक ने उपलब्ध अपनी निधियों को कुशलतापूर्वक पूंजी बाजार में लगाया, जिससे वित्त वर्ष 15 में 'अन्य आय' में ₹4,023 करोड़ की वृद्धि हुई। दूसरा, ब्याज आय के क्षरण रोकने के लिए बैंक ने अपनी ऋण बहियों की सख्त निगरानी की। इससे वित्त वर्ष 15 में 'निवल ब्याज आय' घटक में 11.63% की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 14 में 11.17% थी। बैंक का निवल ब्याज मार्जिन 3.54% के स्तर पर अच्छा बना रहा, जो पिछले वर्ष से 05 आधार बिन्दु अधिक है।

बैंक का समूह लाभ भी वित्त वर्ष 15 में 19.9% बढ़कर ₹16,994 करोड़ हो गया, जो वित्त वर्ष 14 में ₹14,174 करोड़ रहा था। बैंक के बैंक-अनुषंगियों के निवल लाभ में 15.23% और गैर-बैंक अनुषंगियों के निवल लाभ में 12.70% की अच्छी वृद्धि हुई।

आस्ति गुणवत्ता

वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाई के दौरान सामान्य आर्थिक स्थिति में सुधार के कुछ संकेत दिखाई दिए। इसका अनुकूल प्रभाव आस्ति गुणवत्ता पर हुआ, जिसमें वित्त वर्ष के दौरान सुधार आया। वित्त वर्ष 15 में सकल अनर्जक आस्तियों में 70 आधार बिंदु और निवल अनर्जक आस्तियों में 45 आधार बिंदु की कमी आई। आँकड़ों की दृष्टि से निवल अनर्जक आस्तियाँ मार्च 2015 में ₹3,505 करोड़ कम होकर ₹27,591 करोड़ रह गई। अनर्जक आस्ति खातों में वसूली में 32.33% की वृद्धि हुई और यह ₹4,485 करोड़ रही। अपलिखित खातों में वसूली में 35.51% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। प्रावधान सुरक्षा अनुपात भी मार्च 2015 में 69.13% के स्तर पर अच्छी स्थिति में रहा।

पूंजी संरचना

आगामी वर्षों में आर्थिक गतिविधियों में और गति आने से बैंक को अपनी पूंजी नियोजन प्रक्रिया सुधारनी तथा सुदृढ़ करनी होगी, ताकि भावी व्यवसाय वृद्धि को संबल मिल सके। इसके अतिरिक्त, बासेल III पूंजी विनियमों के कार्यान्वयनों को देखते हुए, भारत में बासेल III पूंजी विनियमों के संपूर्ण कार्यान्वयन के लिए संक्रमण अवधि पिछले वित्त वर्ष में भारतीय रिज़र्व बैंक ने पहले ही बढ़ाकर

अध्यक्ष की कलम से

31 मार्च, 2019 कर दी है। दिसंबर 2014 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दी गई अनुमति के अनुसार बासेल III के अंतर्गत अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए सरकारी बैंक सरकारी धारिता को चरणबद्ध रूप से कम करते हुए 52% तक ला सकते हैं। इस अनुमति से संक्रमण अवधि के दौरान अपने पूंजी नियोजन का सक्षम प्रबंधन करने के लिए बैंकों को अतिरिक्त लोच मिल गई है।

बासेल III पूंजी विनियमों के अंतर्गत भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित वार्षिक लक्ष्य वित्त वर्ष 2015 में बैंक ने पर्याप्त रूप से प्राप्त कर लिए हैं। बासेल III की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार आपके बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है। आपके बैंक का टियर 1 पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) मार्च 2015 में 9.60% रहा, जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम आवश्यकता 7% है। न्यूनतम साझा ईक्विटी टियर 1 सीएआर 9.31% रहा, जो भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आदेशित 5.5% से काफी अधिक है। वित्त वर्ष 15 की समाप्ति पर बैंक का समग्र सीएआर 12% रहा, जो वित्त वर्ष 14 के स्तर से लगभग अपरिवर्तित रहा।

लाभांश

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक के निदेशक बोर्ड ने वर्ष 2014-15 के लिए ₹1 अंकित मूल्य के प्रति शेयर पर ₹3.50 का लाभांश घोषित किया है।

नए प्रयास

वर्ष 2014-15 में आपके बैंक ने आवास ऋण, वाहन ऋण, एसएमई, ग्रामीण व्यवसाय आदि हर व्यवसाय क्षेत्र में कई नई-नई व्यावसायिक पहलें शुरू की।

- कम लागत वाली कासा जमाराशियों के लिए आपका बैंक कारपोरेट, रक्षा, अर्ध सैनिक, रेल्वे, केंद्र एवं राज्य सरकार के कर्मचारियों को ग्राहक केंद्रित विशेष पैकेज देता है, जिससे संकेंद्रित विपणन दृष्टिकोण अपनाने में सहायता मिलती है।
- खुदरा व्यवसाय में, बचत बैंक खाता रखने वालों को व्यक्तिगत दुर्घटना/स्वास्थ्य बीमा जैसी नई सुविधाएँ देकर बैंक ने पूरे देश में बैंकिंग में नए मानदंड बनाए हैं। साथ ही, आपके बैंक ने अवयस्कों (10 वर्ष और अधिक) के लिए "पहला कदम" और "पहली उड़ान" नाम के नए बचत बैंक उत्पाद प्रारंभ किए हैं।
- बैंक ग्रामीणों को नए, प्रौद्योगिकी समर्थित चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने पर लगातार ध्यान देता रहा। आपके बैंक ने आधार समर्थित भुगतान प्रणालियाँ (एईपीएस), स्वचालित ई-केवाईसी, एम पी एस, माइक्रो एटीएम, प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत बचत बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा और डीबीटी/डीबीटीएल भुगतानों जैसे अनेक कार्य सफलतापूर्वक प्रारंभ किए। यह कहते हुए भी गर्व होता है कि एल पी जी सब्सिडी (डीबीटीएल) के अंतर्गत लाभ के अंतरण के लिए आपका बैंक एकमात्र प्रायोजक बैंक है और 15 नवंबर 14 से 31 मार्च 15 तक की अल्प अवधि में 29 करोड़ से अधिक डीबीटीएल लेनदेन कर चुका है।
- ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को व्यापक और सुदृढ़ बनाने के लिए आपके बैंक ने एक नई कारपोरेट वेबसाइट प्रारंभ की है। बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने और शाखा परिसर में ग्राहकों की संख्या कम करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक ने 'एस बी आई क्विक-मिस्ड कॉल बैंकिंग' प्रारंभ की है, जो मोबाइल फोन पर खाते का शेष या मिनी स्टेटमेंट प्राप्त करने का सरल और द्रुत साधन है। बचत बैंक/चालू खाता/ओवरड्राफ्ट/ कैश-क्रेडिट खातों के लिए यह सुविधा उपलब्ध है।
- बड़ी राशि के आवास ऋण लेने वाले ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए आपके बैंक ने एक समान ब्याज दर संरचना प्रारंभ की है, चाहे ऋण सीमा कितनी भी हो। इसके अतिरिक्त, ऋण देने में आने वाले अवरोधों को दूर करने और सेवा के समग्र उन्नयन के लिए आपके बैंक ने आवास ऋण सोर्सिंग तथा सुपुर्दगी प्रक्रिया की समीक्षा की। बैंक के समूह नेटवर्क के उपयोग के लिए आपके बैंक ने सार्वभौम वितरण नेटवर्क के अंतर्गत एसबीआईकैप सिक्युरिटीज़ लिमिटेड के साथ मार्केटिंग सिनर्जी स्थापित की। साथ ही, स्टाफ सदस्यों के लिए 'गृहतारा' के नाम से एक अभियान शुरू किया गया है, ताकि आवास ऋणों के विपणन में सहभागिता बढ़ाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए।
- एप्लीकेशन सर्विस प्रोवाइडर (एपीएस) मॉडल के माध्यम से नेशनल फाइनेंशल स्विच (एनएफएस) के अंतर्गत एटीएम सेवाओं के लिए सहकारी बैंकों को प्रायोजित करने की एक नई पहल शुरू की गई हैं। सहकारी बैंकों के साथ की गई इस व्यवस्था से पूरे भारत में फैले सहकारी बैंकों के चालू खाते खोलने का उत्कृष्ट अवसर प्राप्त हुआ है, जिससे चालू खाता जमाराशियों में वृद्धि होगी।
- एसएमई के लिए आपके बैंक ने "प्रोजेक्ट विजय" के अंतर्गत सुपुर्दगी प्लेटफॉर्म अर्थात एसएमईसीसी को पूरी तरह बदल दिया है, ताकि इस व्यवसाय में वृद्धि हो और अनर्जक आस्ति स्तरों में कमी आए।
- ऑनलाइन भुगतान और निपटान में तेजी लाने के लिए, आपके बैंक ने ई-पे को, जो भारत में किसी भी बैंक की पहली और एकमात्र भुगतान समूहक सेवाएँ हैं, सरकार की "क्लीन गंगा" और "स्वच्छ भारत" जैसी प्रमुख योजनाओं के साथ समन्वित किया है, जिससे इन योजनाओं के लिए पूरे विश्व से निधियाँ/दान प्राप्त किए जा सकते हैं।

- वर्ष के दौरान आपके बैंक ने अनर्जक आस्तियों को बढ़ने से रोकने के लिए अनेक उपाय किए। इनमें से कुछ ये हैं: (i) वेब आधारित एसेट ट्रेकिंग एंड मॉनिटरिंग; (ii) खुदरा क्षेत्र और स्थावर संपदा क्षेत्र के दबावग्रस्त खातों को नियमित फोन, ताकि उनकी श्रेणी अवनत न हो, और (iii) मंडल स्तर पर एसेट ट्रेकिंग केंद्र। इसके अतिरिक्त, बैंक ने कई समितियाँ गठित की हैं, जो दबावग्रस्त आस्तियों की आवधिक समीक्षा करती हैं और समाधान तथा कायापलट के उपाय सुझाती हैं।
- अपने सभी प्रयासों की गुणवत्ता बढ़ाने और उनमें पेशेवराना अंदाज लाने के लिए आपके बैंक ने "आरोहण" प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण किया, जिसमें 2,08,019 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- बैंक ने प्रोजेक्ट 'सक्षम' नाम से एक नई कॅरिअर विकास प्रणाली और जनशक्ति नियोजन प्रारंभ किया है। बैंक में सभी स्तरों पर निष्पादन के मूल्यांकन तथा संसाधन नियोजन के लिए वैज्ञानिक और वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है। नए सीडीएस को पदोन्नति, प्रोत्साहन और पुरस्कार के लिए प्रभावी साधन बनाने की योजना है।
- आपके बैंक ने ऋण खातों की समीक्षा के लिए नई डाइनेमिक क्रेडिट रैटिंग प्रारंभ की है, ताकि ऋण गुणवत्ता में कमी को तत्परतापूर्वक रोका जा सके और सुधार की कार्रवाई शुरू कर जोखिम का सही निर्धारण किया जा सके।
- 'एसबीआई यूथ फॉर इंडिया' एक अनूठा भारतीय ग्रामीण अधिवृत्ति कार्यक्रम है, जिसे भारतीय स्टेट बैंक ने प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठनों की भागीदारी से प्रारंभ किया है। इसके लिए धन बैंक देता है और इसका प्रबंधन भी बैंक ही करता है। इसके माध्यम से भारत के प्रतिभाशाली युवा ग्रामीणों को सहयोग प्रदान कर सकते हैं, उनके संघर्ष को अनुभव कर सकते हैं और उनकी आकांक्षाओं के साथ जुड़ सकते हैं।

सहयोगी एवं अनुषंगी

आपके बैंक की सहयोगी और अनुषंगी संस्थाओं ने वर्ष 2014-15 में अच्छा प्रदर्शन किया। पाँच सहयोगी बैंकों का निवल लाभ 15.2% बढ़कर ₹3,201 करोड़ हो गया और उनका बाजार अंश जमाराशियों में 5.22% तथा ऋणों में 5.66% रहा। सभी सहयोगी बैंक 11.44% (औसत) पूंजी पर्याप्तता अनुपात के साथ पर्याप्त रूप से पूंजीकृत हैं।

गैर-बैंकिंग अनुषंगियों में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. ने ₹820 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया और अपने बाजार अंश को बढ़ाकर 4.9% किया, जो पहले 4.2% था। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. ने ₹338 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष से 28% अधिक है। ब्लूमबर्ग, थॉमसन रयूटर्स, डीलॉजिक आदि एजेंसियों द्वारा प्रकाशित विभिन्न श्रेणीकरणों में इसे उच्च स्थान प्राप्त हुआ। एसबीआई कार्ड्स् एंड पेमेंट सर्विसेस (प्रा.) लि. ने ₹267 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष के ₹293 करोड़ से थोड़ा ही कम है। प्रचलित कार्डों की संख्या की दृष्टि से यह इस उद्योग में तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है। 31.58 लाख कार्ड आधार के साथ इसका बाजार अंश 15% रहा है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने ₹163 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया। "प्रबंधन अधीन आस्ति" औसत के अनुसार यह छठा सबसे बड़ा फंड हाउस है और चार मिलियन से अधिक निवेशकों के साथ यह बाजार में अग्रणी स्थिति में है। एसबीआई डीएफएचआई लि. ने पिछले वर्ष के ₹61 करोड़ के निवल लाभ को इस वर्ष 52% बढ़ाते हुए ₹93 करोड़ पर पहुँचाया। सभी स्टेंडअलोन प्राइमरी डीलरों में इसका बाजार अंश 16% रहा है।

सम्मान और पुरस्कार

आपके बैंक को प्राप्त विभिन्न पुरस्कारों के बारे में बताते हुए मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है। वर्ल्ड ब्राडिंग फोरम का वर्ष 2015 का प्रतिष्ठित ब्रांड ऑफ द ईयर भारतीय स्टेट बैंक को प्राप्त हुआ। ब्रांड्ज़ टॉप 50 द्वारा मोस्ट वैल्यूबल इंडियन ब्रांड्स् 2014 का पुरस्कार भी इसे प्राप्त हुआ। बी एफएसआई द्वारा इसे बेस्ट बैंक - पब्लिक सेक्टर अवार्ड दिया गया।

आपका बैंक समाज के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील बैंकों में से एक है। यह स्पष्ट होता है बैंक को कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) क्षेत्र के लिए प्राप्त अनेकानेक पुरस्कारों से। इनमें से कुछ हैं: समाज के प्रति संवेदनशील बैंक के रूप में बिजनेस वर्ल्ड मैगज़ीन का - मैग्ना अवार्ड्स 2015, सीएसआर में उत्कृष्टता एवं नेतृत्व के लिए - विश्व सीएसआर दिवस द्वारा गोल्डन ग्लोब टाइगर्स अवार्ड, सीएसआर में नवाचार के लिए विश्व सीएसआर दिवस द्वारा गोल्डन ग्लोब टाइगर्स अवार्ड, इंस्टिट्यूट ऑफ डाइरेक्टर्स, नई दिल्ली द्वारा सामुदायिक सेवा के लिए गोल्डन पीकॉक अवार्ड, बीएफएस आई मैगज़ीन द्वारा इनवाइरन्मन्ट सस्टेनिबिलिटि अवार्ड 2014, वर्ल्ड सीएसआर कांग्रेस द्वारा एशिया सस्टेनिबिलिटि एक्सिलेंस अवार्ड 2014, सीएमओ एशिया का बेस्ट इन क्लास कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटि प्रेक्टिसेस अवार्ड 2014।

बैंक के सहयोगियों और अनुषंगियों को भी पूरे वर्ष प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त होते रहे।

- **स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर** को एसोचेम का सरकारी बैंकों की श्रेणी का "सोशल बैंकिंग एक्सिलेंस अवार्ड:2014" प्राप्त हुआ। **स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद** को एबीपी न्यूज़ द्वारा स्थापित "बेस्ट बैंक (पब्लिक सेक्टर) अवार्ड" प्राप्त हुआ। **स्टेट बैंक ऑफ मैसूर** को चेंबर ऑफ इंडियन माइक्रो, स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेस, नई

अध्यक्ष की कलम से

दिल्ली का बेस्ट बैंक फॉर टेक सेवि पुरस्कार प्राप्त हुआ। **स्टेट बैंक ऑफ पटियाला** चेंबर ऑफ इंडियन माइक्रो, स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेस, नई दिल्ली का "बेस्ट बैंक अवार्ड फॉर न्यू इनिशिएटिव - रनर अप" पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अनुषंगियों में

- **एसबीआई कार्ड्स** ने रीडर्स डाइजेस्ट ट्रस्टेड ब्रांड सर्वे 2015 में छठी बार 'गोल्ड' जीता। **एसबीआई कैपिटल मार्केट** को बेस्ट हाई यील्ड बॉन्ड के लिए दो पुरस्कार प्राप्त हुए। आईएफआर एशिया रीजनल अवार्ड्स हाई यील्ड बॉन्ड और एशिया मनी - रीजनल कैपिटल मार्केट्स अवार्ड्स - बेस्ट हाई यील्ड बॉन्ड। **एसबीआईकैप सिक्युरिटीज़ लि.** को 2014 में नए ग्राहक बनाने और गोल्ड ईटीएफ संग्रहण में शीर्ष प्रदर्शक के रूप में एनएसई की ओर से सराहना प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। **एसबीआई एमएफ** ने इन्वेस्टमेंट बैंकिंग और म्यूचुअल फंड्स् श्रेणी में रीडर्स डाइजेस्ट का मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड 2014-गोल्ड पुरस्कार जीता। **एसबीआई** लाइफ को 2014-15 के दौरान 15 पुरस्कार प्राप्त हुए। इनमें से कुछ हैं - **बीएफएस** आई का इंस्पायरिंग वर्क प्लेस अवार्ड 2014, बीएफएसआई 2014 के पुरस्कारों में मोस्ट एडमायर्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और बेस्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी इन प्राइवेट सेक्टर, ईकनॉमिक टाइम्स और नेल्सन सर्वे में लगातार चौथे वर्ष मोस्ट ट्रस्टेड प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस ब्रांड। **एसबीआई** जनरल ने 2014 में इंटर कंपनी मार्केटिंग ग्रुप (आईसीएमजी) का एक्सिलेंस अवार्ड फॉर एंटरप्राइज आर्किटेक्चर जीता और आईएआईडीक्यू डेटा क्वालिटी एशिया पेसिफिक अवार्ड: 2014 में रनर अप रहा।

भविष्य के लिए कदम

अक्तूबर, 2013 में अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करते समय मैंने भारतीय स्टेट बैंक के लिए छह कार्यनीतिक लक्ष्य तय किए थे। ये लक्ष्य थे: एनपीए में कमी, जोखिम प्रबंधन, लागत नियंत्रण, सुपुर्दगी मानकों में सुधार, गैर ब्याज आय बढ़ाना और प्रौद्योगिकी का उपयोग। अब पीछे मुड़कर देखने पर इन छहों मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति दिखाई देती है। तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद, एनपीए जोखिम को बढ़ने से रोका गया है। बैंक ने बासेल III संक्रमण में प्रगति की है और जोखिम प्रबंधन के उन्नत दृष्टिकोण पर माइग्रेशन निर्धारित समय के अनुसार हो रहा है। भावी संवृद्धि से कोई समझौता किए बिना बैंक लागत नियंत्रण के प्रयास कर रहा है। हमारे सभी कर्मचारियों में गुणवत्ता और पेशेवराना अंदाज लाने के लिए, बैंक ने 'आरोहण-लक्ष्य.. आकांक्षा.. उपलब्धि..' नामक कार्यक्रम संचालित किया। इस वित्तीय वर्ष के दौरान गैर-ब्याज आय में बैंक का प्रदर्शन संतोषजनक रहा और आय के स्रोतों का विविधीकरण आगे भी जारी रहेगा। प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर मुझे इस बात का पूरा संतोष है कि हमारे सभी कार्य समय पर पूरे हुए हैं और उन्हें ग्राहकों ने बहुत पसंद किया है। इस उत्साहवर्द्धक शुरुआत की बुनियाद पर हम आने वाले वर्ष में अपने कामकाज को आगे बढ़ाएंगे।

वित्त वर्ष 2016 पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा संभावना भरा होने की आशा है। इसका प्रमुख कारण है 2014 के आम चुनावों ने विकास की प्रतिबद्धता के आधार पर राजनैतिक वातावरण में स्थिरता ला दी है। संघीय राज्य व्यवस्था बेहतर सहयोग के लिए प्रयत्नशील है। इस प्रकार के वातावरण से उत्साह का संचार होगा और अनुकूल आर्थिक परिवेश से इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे।

मैं अपने सभी शेयरधारकों का हमारी ताकत एवं क्षमताओं में उनके निरंतर विश्वास, ग्राहकों का उनके महत्वपूर्ण सहयोग एवं विश्वास और अपने कर्मचारियों का हमारे लक्ष्य हासिल करने में उनके अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद करती हूँ।

स्वामी विवेकानंद के इस कथन के साथ मैं अपनी बात पूरी करना चाहूंगी

"क्या कोई महान कार्य आसानी से पूरा हुआ है? इसके लिए समय, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति अनिवार्य है।"

हार्दिक मंगलकामनाओं के साथ,
आपकी शुभचिंतक,

अरुंधति भट्टाचार्य